बगराम एयरफील्ड

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि **चीन** अब [बगराम एयरफील्ड] पर कब्ज़ा किये हुए है, जिसे **अमेरिकी सेनाओं** ने वर्ष **2021 में अफगानिस्तान** से वापस लौटने से पहले **खाली** कर दिया था।

- **बगराम एयरफील्ड:** यह **अफगानिस्तान का सबसे बड़ा वायुसेना अड्डा** है, जो रणनीतिक रूप से **परवान प्रांत** में, काबुल से लगभग 60 किलोमीटर उत्तर में स्थित है।
  - परवान अफगानिस्तान के अधिकांश हिस्सों पर **नियंत्रण** के लिये महत्त्वपूर्ण है क्योंकि परवान प्रांत में स्थित 2.6 किलोमीटर लंबी **सालंग सुरंग काबुल** को **मज़ार-ए-शरीफ** और उत्तर के अन्य शहरों से जोड़ती है, जबकि **राजमार्ग** दक्षिण में **गज़नी** और **कंधार** तथा पश्चिम में [बामियान] से संपर्क प्रदान करते हैं।

- **1950 के दशक** में **सोवियत संघ** द्वारा निर्मित यह वायुसेना अड्डा [शीत युद्ध] और **सोवियत-अफगान युद्ध (1979–89)** के दौरान अत्यंत महत्त्वपूर्ण बन गया।
  - वर्ष **2001** के बाद यह **आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध** के दौरान **अमेरिकी सेनाओं का संचालन केंद्र** बन गया।
- बगराम की रणनीतिक स्थिति इसे महत्त्वपूर्ण बनाती है, तथा तालिबान के साथ चीन के बढ़ते संबंध इस क्षेत्र में रणनीतिक पैर जमाने के लिये

सावधानीपूर्वक प्रयास का संकेत देते हैं।

- **शिनजियांग स्थित लोप नूर,** जहाँ **चीन** ने वर्ष **1964** में अपना **पहला परमाणु परीक्षण** किया था, **बगराम** से **2,000 किलोमीटर** की दूरी पर है, जबकि **कोको नूर परमाणु हथियार सुविधा** इससे भी **पूर्व** में, **चीन** के **छिंगहाई प्रांत** में स्थित है।

और पढ़ें: CPEC का अफगानिस्तान तक विस्तार

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bagram-airfield